वर्ष: 1 अंक 15 नागौर, 09 दिसम्बर, 2021 (गुरुवार) मूल्य 5 रुपया पृष्ठ 4 E-Edition

www.nagaurdaily.com

RNI Title-Code :- RAJBIL27027

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

Bipin Rawat

Helicopter Crash

सीडीएस सहित 14 की मौत

चेन्नई/दिल्ली.

आखिरकार बुरी खबर आ ही गई है। जनरल बिपिन रावत नहीं रहे। वे देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, यानी सीडीएस थे। तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। उसमें जनरल रावत की पत्नी मधुलिका रावत समेत सेना के 14 लोग सवार थे। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक के घायल होने की खबर है।

पहले ये खबर आई कि हादसे में घायल हुए कुछ लोगों को गंभीर हालत में वेलिंगटन के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। जहां से करीब साढ़े पांच घंटे तक खबर आती रही कि जनरल रावत और उनकी पत्नी समेत कुछ अफसर बुरी तरह घायल हुए हैं, लेकिन फिर बारी-बारी से मौत की खबर आने लगी। शाम तक ये खबर आई कि हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। सिर्फ एक व्यक्ति जिंदा है, जो पुरुष है। इसके बाद कयास लगाए जाते रहे कि ये जनरल रावत ही हैं, लेकिन देर शाम सबसे बुरी खबर आई कि जनरल रावत नहीं रहे। उनकी पत्नी मधुलिका की भी मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए एमआई-17 वी 5 हेलिकॉप्टर में जनरल रावत, उनकी पत्नी के अलावा 12 लोग और थे। इनके अलावा ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर, लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार, लांस नायक बी. साई तेजा और हवलदार सतपाल सवार थे। इसके अलावा 5 और लोगों के नाम सामने आने बाकी हैं।

घने जंगल और कम विजिबिलिटी हादसे की वजह

दिल्ली में उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि हादसे की वजह घने जंगल और कम विजिबिलिटी रहे। खराब मौसम के दौरान बादलों में विजिबिलिटी कम होने की वजह से हेलिकॉप्टर को कम ऊंचाई पर उड़ान भरनी पड़ी। लैंडिंग पॉइंट से दूरी कम होने की वजह से भी हेलिकॉप्टर काफी नीचे उड़ान भर रहा था। नीचे घने जंगल थे इसलिए क्रैश लैंडिंग भी फेल हो गई। इस हेलिकॉप्टर के पायलट ग्रुप कमांडर और सीओ रैंक के अधिकारी थे, ऐसे में मानवीय भूल की आशंका न के बराबर है।

जनरल बिपिन रावत एक बार पहले भी हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो चुके हैं। 3 फरवरी 2015 को उनका चीता हेलिकॉप्टर नगालैंड के दीमापुर में क्रैश हुआ था। तब बिपिन रावत लेफ्टिनेंट जनरल थे।

रावत सच्चे देशभक्त, उनके जाने का गहरा दुख : मोदी

सीडीएस रावत के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुख जाहिर किया है। मोदी ने ट्वीट में लिखा- जनरल रावत बेमिसाल सैनिक थे। सच्चे देशभक्त थे और उन्होंने हमारी सेनाओं के मॉर्डनाइजेशन के लिए योगदान दिया। उनके जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा- रावत का असमय निधन देश और सेना के लिए कभी पूरी न हो पाने वाली क्षति है।

चश्मदीद बोले- आग का गोला बन गया था हेलिकॉप्टर

चश्मदीदों के मुताबिक हादसे से पहले बहुत तेज आवाज सुनाई दी। हेलिकॉप्टर पहले पेड़ों पर गिरा। इसके बाद उसमें आग लग गई, वो आग का गोला बन गया था। एक और चश्मदीद का कहना है कि उसने जलते हुए लोगों को हेलिकॉप्टर से बाहर गिरते हुए देखा। हादसा तब हुआ जब जनरल रावत कुन्नूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस सुलूर लौट रहे थे। हेलिपैड से 10 मिनट के दूरी पर घने जंगलों के बीच हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसे की वजह खराब मौसम बताया जा रहा है।

पिछले महीने भी क्रैश हुआ था एमआई-17, सभी 12 सवार मारे गए थे

एक महीने के अंदर देश में दूसरा एमआई-17 हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ है। पिछला चॉपर 19 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश में क्रैश हुआ था। उस घटना में चॉपर में सवार सभी 12 लोग मारे गए थे।

कोरोना का खतरा बढ़ा

प्रदेश में 40 नये केस आए

4 महीने बाद 30 से ज्यादा मरीज एक दिन में मिले

जयपुर.

राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 40 नए केस मिले है। 5 अगस्त के बाद राज्य में 30 से ज्यादा मरीज मिले हैं। इसमें 25 मरीज केवल जयपुर में मिले है। जयपुर में आज हुए कोरोना विस्फोट के बाद हड़कंप मच गया है। जयपुर में जो मरीज मिले है, उससे ओमिक्रॉन वैरियंट के केस और ज्यादा फैलने का खतरा बढ़ गया है। इनमें 11 ऐसे मरीज हैं, जो ओमिक्रॉन पॉजिटिव और संदिग्धों के संपर्क में आए है। रिपोर्ट मिलने के बाद सीएमएचओ की टीम ने सभी को संदिग्ध मानते हुए उनके सैंपल जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए भिजवाए है।

जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि आदर्श नगर में जो परिवार ओमिक्रॉन संक्रमित मिला है। उसी परिवार के संपर्क में आए 3 और सदस्यों की आज कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव मिली हैं। इन सभी 3 लोगों को अब आरयूएचएस में शिफ्ट किया जाएगा। वहीं, वैशाली नगर में जो जर्मनी से परिवार आया था। उसमें एक व्यक्ति की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव मिली थी। उस परिवार के संपर्क में आए 8 अन्य लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है, जिन्हें भी संदिग्ध माना है। उनकी जिनोम सिक्वेंसिंग की जांच के लिए सैंपल भिजवाए गए है।

राजस्थान में यहां मिले केस

जयपुर के अलावा आज हनुमानगढ़, अलवर में 4-4 केस, जोधपुर, अजमेर और उदयपुर में 2-2 केस, जबकि बीकानेर में एक केस मिला है। राज्य में आज कुल 24 मरीज रिकवर हुए है, जिसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 236 हो गई।

जयपुर में 8 दिन में 92 मरीज

जयपुर में पिछले 8 दिन की रिपोर्ट देखें तो अब तक 92 कोरोना संक्रमित मिल चुके है। इनमें 9 मरीज तो ऐसे हैं जो कोरोना के नये वैरियंट ओमिक्रॉन से संक्रमित है। वहीं 15 से ज्यादा मरीज संदिग्ध है, जिनकी जिनोम सिक्वेंसिंग की जांच आना बाकी है। ये वे मरीज है जो इन ओमिक्रॉन वैरियंट से संक्रमित परिवार के संपर्क में आए है। वहीं कुछ ऐसे भी मरीज है जो विदेशों से यात्रा करके जयपुर पहुंचे है और कोरोना पॉजिटिव मिले है। जयपुर में बढ़ते संक्रमित मरीजों को देखते हुए सरकार ने अब महात्मा गांधी हॉस्पिटल को भी कोरोना संक्रमितों को आईसोलेट करने और इलाज के लिए अधिकृत किया है।

कोविड संक्रमण की समीक्षा

लक्षित वर्ग का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित करें : गहलोत

जयपुर।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रदेश में 18 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के शत-प्रतिशत लोगों का टीकाकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इस आयु वर्ग का कोई भी व्यक्ति वैक्सीनेशन से वंचित नहीं रहे। गहलोत ने कहा कि वैक्सीन ही कोरोना से बचाव का मूलमंत्र है। ?से में, वैक्सीनेशन अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और लक्षित वर्ग के शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए जमीनी स्तर पर कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए। गहलोत बुधवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोविड-19 संक्रमण की स्थिति पर उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में टीकाकरण में तेजी लाने की आवश्यकता है, वहां जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों आदि के सहयोग से लोगों को वैक्सीन की डोज लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि उनकी लापरवाही से दूसरों के लिए संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए जरूरी है कि जिन लोगों ने अब तक वैक्सीन की डोज नहीं लगवाई है, उन्हें यह डोज अनिवार्य रूप से लगाई जाए। गहलोत ने इस दौरान प्रदेश में कोविड वायरस के नए वेरिएंट 'ओमिक्रॉन' की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यह वेरिएंट न फैले इसके लिए पूरी सतर्कता एवं चौकसी बरती जाए। एयरपोर्ट पर अन्य देशों से आने वाले यात्रियों का अधिक से अधिक आरटीपीसीआर टेस्ट किया जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट पर रहते हुए आवश्यक तैयारियां रखे। उन्होंने कहा कि यद्यपि प्रदेश में इस वायरस से जो भी संक्रमित रोगी मिले हैं, उनमें गंभीर लक्षण नहीं है।

उत्तरी भारत में बर्फबारी व सर्द हवाओं के कारण 15 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

जयपुर.

उत्तर भारत में बर्फबारी और वहां से आ रही सर्द हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दी। राजस्थान के कई शहरों में न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। सीकर के फतेहपुर में सोमवार को सीजन की सबसे सर्द रात रही। न्यूनतम तापमान 0.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, चूरू में आज न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 2-3 दिन में उत्तरी राजस्थान में सर्दी का असर और ज्यादा बढ़ सकता है। कुछ जिले शीत लहर की चपेट में आ सकते हैं। फतेहपुर व आसपास के इलाकों में तेज सर्दी के कारण फसलों पर भी ओस की बूंद जम गई। वहीं सुबह-सुबह हल्की धुंध भी रही। फतेहपुर के अलावा सीकर, चूरू, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, गंगानगर में तापमान गिरने के साथ ही सर्द हवाएं भी चली।

आरबीआई मॉनिटरी पॉलिसी

रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली.

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने आज अपनी दो महीनों में होने वाली (द्विमासिक) मौद्रिक नीति समीक्षा के नतीजों की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसके नतीजों का ऐलान करते हुए बताया कि रेपो और रिवर्स रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी, अब लोन की दरों में कोई राहत नहीं मिलेगी और आपके निवेश पर भी ज्यादा ब्याज मिलने की संभवना कम हो गई है।

अभी रेपो रेट 4% और रिवर्स रेपो रेट 3.35% है। आरबीआई ने लगातार 9वीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट अप्रैल 2001 के बाद से सबसे निचले स्तर पर हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 दिसंबर को शुरू हुई थी जो इस कैलेंडर वर्ष में समिति की आखिरी बैठक थी।

जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 9.5% बरकरार रखा

आरबीआई ने इस वित्त वर्ष 2021-22 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान 9.5% बरकरार रखा है। एक्सपर्ट्स ने पहले ही यह कहा था कि अर्थव्यवस्था में रिकवरी को और मजबूत करने के लिए आरबीआई अभी दरों में बदलाव नहीं करेगा। रिजर्व बैंक के मुताबिक इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-

दिसंबर) में जीडीपी ग्रोथ 6.6% और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में 6% रह सकती है।

जनवरी से बढ़ सकती है महंगाई

शक्तिकांत दास ने कहा कि महंगाई हमारे पहले के अनुमान के मुताबिक ही है। रबी की अच्छी फसल होने की वजह से आगे कीमतें कम होंगी। सब्जियों की कीमतों में भी कमी आ सकती है। हालांकि, इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में महंगाई पीक पर जाएगी, लेकिन उसके बाद इसमें कमी आएगी। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक इंफ्लेशन के 5.3% पर रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि दूसरी लहर के झटकों से इकोनॉमी उबर रही है और इसमें तेजी आ

जाति जनगणना से विषमता होगी दूर

दोनों राज्यों द्वारा पारित प्रस्ताव में 1931 की जनगणना को त्रुटिपूर्ण एवं जाति विद्वेष पर आधारित माना गया है। तमिलनाडु एवं ओडिशा की विधानसभा में पहले ही इस प्रकार के प्रस्ताव पारित हैं। पिछले दिनों बिहार विधानसभा के लगभग सभी प्रमुख दलों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर ऐसा ही आग्रह किया है। बिहार राज्य जनगणना की शुरुआत कर बिहार विधानसभा इस आशय का प्रस्ताव पास करने वाला प्रथम राज्य है। यह संभावित है कि जातिगत जनगणना का प्रारंभ बिहार से हो सकता है।

पांच राज्यों में अगले वर्ष चुनाव होने हैं। राजनीतिक हलचलों के साथ जातिगत जनगणना की मांग भी जोर पकड़ रही है। आंध्र प्रदेश में विधानसभा से कानून बनाकर सभी नामित पदों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा पहले ही वंचित समूह वर्गों के लिए आरक्षित की जा चुकी है। इससे पूर्व अक्तूबर माह में तेलंगाना विधानसभा द्वारा भी प्रस्ताव पास कर जातिगत जनगणना कराने की मांग की गयी है। व्यावहारिक समझदारी का नतीजा है कि केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी को राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सेंट्रल कोटा किये जाने पर कहीं विरोध के स्वर सुनाई नहीं दिये। एमबीबीएस कोर्स में ओबीसी की 1713 और पीजी कोर्स में 2500 सीटें बढ़ी हैं। गरीब वर्ग के लिए भी 10 प्रतिशत कोटा अलग से आवंटित हुआ है, जिस पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नगण्य हैं। आरक्षण विरोधी आंदोलन 1990 में जब चरम पर था, उस समय वीपी सिंह सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के लिए 10 प्रतिशत कोटे की घोषणा की गयी थी। आरएसएस संगठन के सह-सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने जाति आधारित आरक्षण को स्वीकार कर इस विरोध को कुंद कर दिया। उनके अनुसार यह सकारात्मक है और जब तक समाज का एक वर्ग असमानता का अनुभव करता है तब तक इसे जारी रखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री परिषद के बदलाव में 35 प्रतिशत पिछड़ों की साझेदारी एक प्रगतिशील कदम है जिसका सर्वत्र स्वागत किया गया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की राजनीतिक पार्टियां प्रधानमंत्री से अनुरोध कर चुकी हैं कि जातिगत जनगणना से समाज में समानता उत्पन्न होगी। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विकास के लेखे-जोखे का भी बिंदुवार विश्लेषण कर सकते हैं कि सबका साथ सबका विकास सिद्धांत में कुछ वर्ग पिछड़ तो नहीं गये। एक आरटीआइ के अनुसार, पिछले वर्ष देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में पिछड़े वर्ग से किसी प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर का चयन नहीं हुआ है। नि:संदेह 50 प्रतिशत से अधिक आबादी में कुंठा एवं रोष पैदा होना स्वाभाविक है। जातिगत

जनगणना के विरोधी तर्क करते हैं कि इससे समाज में खाई और कटुता पैदा होगी, जबकि असमानता से उत्पन्न निराशा और आक्रोश पहले से ही विद्यमान है। आरक्षण का मकसद रहा है कि जिन जातियों, समुदायों, कार्य समूहों को सदियों से उसके जातीय ढांचे में बांधकर उनके काम आरक्षित कर दिये गये हैं उन्हें भी समान नागरिक के रूप में जीने, प्रशासन में उचित हिस्सेदारी और शिक्षा में उचित भागीदारी मिल सके। मंडल कमीशन की सिफारिश लागू हुए 28 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस दौरान पिछड़ा वर्ग मेहनत एवं कौशल से सफलता की ओर निरंतर अग्रसर है। परीक्षा में ओबीसी छात्र कीर्तिमान रच रहे हैं। इन सब उत्साहवर्धक कार्यवाही के बाद भी केंद्रीय मंत्रालयों में महज 5.40 प्रतिशत ओबीसी अधिकारी हैं। हाल के दिनों में केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिव की नियुक्ति शुरू की है, जिससे पिछड़ा वर्ग एवं दलित समाज आरक्षण को लेकर सशंकित है। आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के तहत सार्वजनिक उपक्रमों का अंधाधुंध निजीकरण जारी है और नये संस्थानों में किसी भी प्रकार के आरक्षण की प्रक्रिया गैर हाजिर है। जातिगत जनगणना का विरोध हो रहा है। कभी डॉ आंबेडकर, तो कभी सरदार पटेल को उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछड़ों के आरक्षण को संवैधानिक मान्यता मिलने के बाद भी जाति आधारित आरक्षण पर टीका-टिप्पणी जारी है। नीतीश कुमार की भी आलोचना जारी है कि वे लोहिया के अनुयायी होते हुए कैसे जाति आधारित जनगणना की मांग का नेतृत्व कर सकते हैं। डॉ आंबेडकर के बाद जाति व्यवस्था पर सबसे कटु प्रहार डॉ लोहिया ने किया है कि किस प्रकार लंबी गुलामी की वजह भारत की जातीय व्यवस्था है, 90 प्रतिशत से अधिक आबादी को राष्ट्रीयता और उसके सुरक्षा बोध से वंचित रखा गया। डॉ लोहिया राय रख चुके हैं कि छोटी जाति वालों को ऊंची जगहों पर बैठाओ, उसके बिना तो कुछ आने-जाने वाला नहीं है, योग्यता की बराबरी की जो बहस चली है कभी हिंदुस्तान में जात-पात को तोड़ नहीं सकती इसलिए अब योग्यता की बराबरी छोड़कर विशेष अवसर के ऊपर हिंदुस्तान की रचना करनी होगी। वर्ग में समानता की इच्छा व्यक्त होती है और वर्ण में न्याय की। वर्ग अस्थिर जाति है और जाति स्थिर वर्ग। जन्म के आधार पर वर्गीकरण और उसे धर्म की स्वीकृति, यह जाति के आवश्यक लक्षण हैं। केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिये गये हलफनामे के बाद यह स्वीकार करने में कठिनाई महसूस हो रही है कि 2011 की जातिगत जनगणना में गलतियां और अशुद्धियां थीं। हलफनामे में ओबीसी गणना को प्रशासनिक रूप से अत्यंत जटिल माना गया है। वहीं दूसरी ओर पिछड़े वर्गों में अत्यंत पिछड़ों के लिए गठित जस्टिस जी रोहिणी कमीशन की रपट भी लगभग तैयार है जिसमें वंचित समूहों के सशक्तीकरण हेतु कोटा तय कर वर्गीकरण किया जाना शेष है।

सम्पादकीय

रिश्तों में मजबूती

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ताजा भारत यात्रा से दोनों देशों के पुराने रिश्तों को और मजबूती मिली है। पुतिन के साथ वहां के रक्षामंत्री और विदेशमंत्री भी आए और अपने भारतीय समकक्षियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि भारत पहले ही रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीद और एके-203 राइफल बनाने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर चुका है, पर पुतिन की इस यात्रा में आगे के वर्षों को ध्यान में रखते हुए भी रणनीति तय की गई, जो कि बहुत महत्त्वपूर्ण है। हालांकि रूस के साथ भारत के ये रक्षा सौदे नए नहीं हैं, बहुत पहले से वह उससे रक्षा उपकरण खरीदता आ रहा है। हालांकि बीच के कुछ वर्षों में अमेरिका, फ्रांस और इजराइल से भी कुछ रक्षा सौदे होने की वजह से रूस से उपकरणों की खरीद कम हो गई थी, पर अब मिसाइल प्रणाली खरीदने और अत्याधुनिक राइफल भारत में ही बनाने का लाइसेंस मिल जाने के बाद फिर से दोनों देशों के बीच रक्षा सौदों के मामले में बेहतर रिश्ते बन गए हैं। हालांकि अमेरिका शुरू से दबाव बनाता आ रहा था कि भारत मिसाइल प्रणाली रूस से न खरीदे, मगर भारत ने उसका दबाव नहीं माना। वह मिसाइल प्रणाली जल्दी भारत पहुंचने वाली है। रक्षा सौदों के अलावा ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्र में भारत की जरूरतों के लिहाज से भी रूस के साथ प्रगाढ़ हो रहे रिश्ते बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। चीन और अमेरिका पर भारत की निर्भरता बढ़ना भरोसेमंद नहीं हो सकती। रूस और भारत बहुत पुराने मित्र हैं और हर गाढ़े वक्त में रूस भारत के काम आया है, जैसा कि पुतिन के साथ मुलाकात के वक्त प्रधानमंत्री ने उल्लेख भी किया कि किस तरह कोविड के समय रूस ने हमारी मदद की।

चीन और अमेरिका विस्तारवादी नीतियों पर चलने वाले देश हैं। इसलिए उन्हें रूस के साथ भारत की दोस्ती सदा खटकती रही है। स्वाभाविक ही पुतिन की इस यात्रा पर इन दोनों देशों की नजर लगी हुई थी। इसकी वजह केवल रक्षा सौदे नहीं, कूटनीतिक पहलू भी है। हालांकि चीन और रूस के संबंध बेहतर हैं, फिर भी कई मामलों में दोनों के बीच तनातनी बनी रहती है। जैसे यूरेशिया में दोनों एक-दूसरे की पैठ नहीं बनने देना चाहते। फिर चीन के साथ सीमा पर भारत के जो तनावपूर्ण रिश्ते रहते हैं, उससे भी वह रूस की भारत की नजदीकी नहीं देखना चाहता। पिछले कुछ सालों में अमेरिका के साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ हुए हैं, कई मामलों में अमेरिका ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था पर भरोसा भी जताया है, मगर रूस के साथ उसके तनावपूर्ण रिश्ते ही रहे हैं, इसलिए वह नहीं चाहता कि भारत उस पर से निर्भरता छोड़ कर रूस के साथ संबंध बनाए रखे। वह चाहता है कि व्यापार, ऊर्जा और सामरिक मामलों में भारत उसी पर निर्भर रहे। मगर भारत ने उसका यह दबाव न मान कर एक तरह से बड़ा कूटनीतिक दांव खेला है। रूस से रिश्ते मजबूत करने की जरूरत इसलिए भी थी कि अफगानिस्तान में उसे अपनी उपस्थिति बनाए रखनी है। फिर चीन की विस्तारवादी नीतियों को भी इससे चुनौती मिलेगी, क्योंकि वह भी अफगानिस्तान में अपनी पैठ बनाए हुए है। रूस के साथ यह दोस्ती संयुक्त राष्ट्र में भी भारत की स्थिति मजबूत करेगी। न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि रूस के लिए भी पुतिन की यह यात्रा लाभदायक साबित होगी।

लोगों की लापरवाही जारी रही तो फिर तहलका मचा सकता है कोरोना का नया स्वरूप

ए. सूर्यप्रकाश

वर्तमान में तीसरी लहर के आगोश में विश्व के कई देश आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अपने आपको अत्यंत समृद्ध मानने वाले देशों की स्थिति विकरालता की ओर बढ़ती जा रही है। कई देश पहली और दूसरी लहर के संत्राश से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि अचानक तीसरी लहर ने भी दस्तक दे दी है। भारत के लिए सुख की खबर यह मानी जा सकती है कि भारत की वैक्सीन पहले भी सकारात्मक परिणाम देने में सार्थक प्रमाणित हुई है और अब तीसरी लहर की भयावह आशंका के चलते भी यह दावे के साथ कहा जाने लगा है कि भारत की वैक्सीन ओमिक्रोन को भी परास्त करने में सफल ही होगी। लेकिन इसके बाद भी हमें किसी भी प्रकार से लापरवाह नहीं होना है। पहले देश के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए धारा 144 और कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता हुई है। यह सब जनता को बड़े खतरे की चपेट में आने से रोकने के लिए किया गया। जो बहुत हद तक सफल भी रहा, लेकिन दूसरी लहर में फैली अफवाहों ने जनता के हौसले को तोड़ने का काम किया।

वर्तमान में कोरोना की तीसरी लहर ने अपने कदम बढ़ाने प्रारंभ कर दिए हैं। कहा जा रहा है कि अभी इसकी आहट ही सुनाई दे रही है, लेकिन जिस प्रकार से आम आदमी जीवन के प्रति लापरवाह हुआ है, उससे यही आशंका उत्पन्न होने लगी है कि ओमिक्रोन के रूप में दस्तक देने वाला यह वायरस निश्चित ही अपना प्रभाव दिखाएगा। इसके पीछे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा नियम और कानून पालन करने की मानसिकता वाला नहीं है। इसके कारण जहां व्यक्तिगत स्तर पर तो कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, वहीं यह लापरवाही समाज के लिए भी अत्यंत घातक होती है। कोरोना संक्रमण की पिछली दो लहरों ने समाज को बहुत बड़ा सबक दिया, लेकिन इस सबक का प्रभाव भी धीरे-धीरे विस्मृत होता चला गया और समाज ने इस प्रकार से जीना प्रारंभ कर दिया, जैसे कोरोना आया ही नहीं था। पहले और दूसरे संक्रमण के दौरान लगाए गए लॉकडाउन की अवधि के दौरान जनमानस अच्छे बुरे की पहचान कर चुका है, लेकिन ऐसा लगता है हम जानते हुए अनजान बन जाते हैं। इसी कारण यह भी परिलक्षित हो रहा है कि हम जीवन के प्रति सचेत नहीं हैं।

इस बार शासन, प्रशासन और आम जनता को भी सक्रिय भूमिका का प्रदर्शन करते हुए भ्रम फैलने से पहले ही जागरण का कार्य करना चाहिए, नहीं तो ऐसा न हो कि फिर से दूसरी लहर के दौरान बनने वाले हालात पैदा हो जाएं। चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपने आगोश में ले लिया है। दुनिया के देशों ने इसके खतरों के प्रति पूरी तरह से अनजान होने के कारण पहले तो हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही कोरोना का विकराल रूप सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देश में भी इस वायरस ने तबाही जैसे हालात बना दिए थे। अब नया वायरस दक्षिण अफ्रीका से सामने आया है। कहा जा रहा है कि यह वायरस वैश्विक रूप से अपना प्रभाव दिखाएगा। इसलिए दुनिया के कई देशों ने इसके प्रभाव को रोकने के लिए व्यापक नीति बनाना प्रारंभ कर दिया है। भारत में भी ओमिक्रोन संक्रमित व्यक्ति मिल रहे हैं। इसके निहितार्थ यही हैं कि भारत में भी इसका दुष्प्रभाव देखने को मिलेगा। इसे रोकने के लिए शासन स्तर पर तो नीति बनाई जा रही होगी, लेकिन सामाजिक स्तर पर भी अभी से ठोस पहल करने की आवश्यकता है। यह हमारे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिस समस्या से पूरे देश के प्रभावित होने की आशंका हो, ऐसे राष्ट्रीय मामलों को लेकर भी राजनीति की जाती रही है। पहली और दूसरी लहर के दौरान जो भगदड़ की स्थिति निर्मित हुई, उसके पीछे के कारण भी बाद में सामने आ चुके थे। राजनीतिक दलों ने इस मामले पर खूब राजनीति की और सरकार को निशाने पर लिया। यहां सवाल यह आता है कि जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकारें थीं, वहां की स्थिति के लिए राज्य सरकार को नहीं, बल्कि केन्द्र सरकार को निशाने पर लिया गया। जबकि यहां सबके सहयोग की आवश्यकता थी, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष। हम अगर राष्ट्रीय बनकर किसी समस्या का निराकरण करना चाहेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें समाधान का मार्ग भी आसानी से दिखाई देने लगेगा, लेकिन हमारे देश की राजनीतिक मानसिकता समस्या का समाधान खोजने की कम और उलझाने की अधिक बन चुकी है। सवाल यह भी है जब कोरोना संक्रमण की बीमारी अंतरराष्ट्रीय स्तर की समस्या के तौर पर उपस्थित हुई है, तब ऐसी स्थिति में मात्र भारत सरकार को निशाने पर लेने की राजनीति कहीं न कहीं हमारी उदासीनता को ही प्रकट कर रही है। यह समस्या हर नागरिक से जुड़ी है, इसलिए इसका समाधान केवल सरकारी स्तर पर नहीं निकाला जा सकता। इसके लिए हमको सभी स्तर पर जागरूक रहने की आवश्यकता है। इसमें सबसे पहले अपने आपको बचाकर रखने में ही अपनी और समाज की भलाई है। ऐसी अवस्था में और ज्यादा कठोर होने की जरूरत है नहीं तो देश में अकाल मौतें तो होंगी ही साथ ही कठोर लॉकडाउन का भी सामना करना पड़ सकता है। एक बात और कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शासन और प्रशासन ने कई बार आम जन से यह अपील की थी कि जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि इस अपील का समाज पर कोई प्रभाव नहीं हुआ। समाज का हर व्यक्ति भीड़ से परहेज नहीं, बल्कि उसका हिस्सा बनने की अग्रसर हो रहा है। भौतिक दूरी और चेहरे पर मास्क लगाने की भी जरूरत नहीं समझी जा रही। हम नियमों की अवहेलना ही करने की ओर प्रवृत्त होते जा रहे हैं। यही सब कारण हैं कि हम समाधान के बजाय खुद ही समस्या बनते जा रहे हैं। भारत की जनता नियम पालन करने की मानसिकता बना ले तो स्वाभाविक रूप से बहुत सारी समस्याओं का समाधान निकल सकता है।

सेवा क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ती मांग अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत

प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के दौरान देश का उद्योग एवं सेवा क्षेत्र सबसे अधिक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ था। यातायात, होटल, पर्यटन एवं निर्माण के क्षेत्र तो लगभग बंद ही हो गए थे। इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सबसे अधिक प्रभावित हुए थे। उक्त क्षेत्र आज भी पूरे तौर पर उबर नहीं पाए हैं। आज देश में कोरोना महामारी के पूर्व के अर्थव्यवस्था के स्तर के 95.6 प्रतिशत भाग को प्राप्त कर लिया गया है परंतु व्यापार, होटल, यातायात, संचार एवं ब्रॉडकास्टिंग से संबंधित सेवा क्षेत्र में अभी भी केवल 80 प्रतिशत के स्तर को ही प्राप्त किया जा सका है।

मार्च 2020 के बाद कोरोना महामारी की प्रथम एवं दूसरी लहर के दौरान देश के नागरिकों ने न केवल स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का सामना किया बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी भारी कमी देखने में आई जिसके चलते कई नागरिकों ने अपना रोजगार खोया एवं आर्थिक समस्याओं का सामना किया। परंतु, केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए कई निर्णयों के चलते एवं भारतीय संस्कारों के बीच देश के नागरिकों ने इस बुरे समय का बहुत ही हिम्मत के साथ सामना किया एवं न केवल स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं, साथ ही आर्थिक समस्याओं के प्रभाव को भी कम करने में सफलता पाई थी। अब, जब विशेष रूप से कोरोना महामारी की दूसरी लहर का प्रभाव कम होता जा रहा है तब इसके बाद भारत में आर्थिक गतिविधियों में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है एवं आर्थिक मोर्चे पर लगातार अच्छी खबरों का आना जारी है।

चीन एवं जापान के बाद एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, भारत में, सेवा क्षेत्र में पिछली तिमाही में मांग सबसे तेज गति से आगे बढ़ी है। यह देश में कोरोना टीकाकरण के कार्यक्रम में आई तेजी एवं केंद्र सरकार द्वारा अपने खर्चों में की गई बढ़ोतरी के चलते सम्भव हो पाया है। इसी गति को आगे बढ़ाते हुए सर्विसेज परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स अक्टूबर 2021 एवं नवम्बर 2021 माह में क्रमश: 58.4 एवं 58.1 के स्तर पर बना रहा

है। 58.4 का स्तर तो किसी भी माह में, पिछले दस वर्षों के दौरान, दूसरे स्थान पर सबसे अधिक पाया गया है। इस इंडेक्स का 50 के स्तर से अधिक होने का तात्पर्य वृद्धि होने के संकेत के रूप में माना जाता है। अक्टूबर 2021 माह में विभिन्न त्योहारों के दौरान देश के इतिहास में प्रथम बार क्रेडिट कार्ड के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की गई है। अक्टूबर 2021 माह में क्रेडिट कार्ड के माध्यम से सितम्बर 2021 (80,477 करोड़ रुपए) की तुलना में 25 प्रतिशत एवं अक्टूबर 2020 (64,892 करोड़ रुपए) की तुलना में 56 प्रतिशत अधिक खर्च किया गया है। जबकि कोरोना महामारी के पूर्व के समय में जनवरी 2020 एवं फरवरी 2020 माह में क्रमश: 67,402 करोड़ रुपए एवं 62,903 करोड़ रुपए की राशि क्रेडिट कार्ड के माध्यम से खर्च की गई थी। इसका आशय यह है कि देश के नागरिकों द्वारा अब वस्तुओं की क्रय राशि का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अधिक किया जा रहा है, जोकि देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा संकेत है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी प्रतिवेदन के अनुसार, 19 नवम्बर 2021 को समाप्त एक वर्ष के समय में बैंकों की ऋणराशि में 6.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बैंकों की ऋण राशि का स्तर पिछले वर्ष के 104.34 लाख करोड़ रुपए की राशि से बढ़कर 19 नवम्बर 2021 को 111.62 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसका आशय यह है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती दिखाई दे रही है। बैंकों का भी अपना आकलन है कि अक्टूबर एवं नवम्बर माह में त्योहारों के चलते उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों (कृषि, उद्योग एवं सेवा) में प्रदान किए जाने वाले ऋणों की गतिविधियों में तेजी आई है। उधर विदेशी व्यापार के मोर्चे पर भी लगातार सुधार दिखाई दे रहा है। हालांकि अब भारत से निर्यात की तुलना में आयात अधिक तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, इससे देश के चालू खाता घाटा पर दबाव दिखाई देने लगा है। नवम्बर 2021 माह में देश से निर्यात 26.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,988 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे जबकि देश में आयात 57.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 5,315 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार नवम्बर 2021 माह में चालू खाता घाटा 2,327 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भावों में आई तेजी, त्योहारों के दौरान स्वर्ण के आयात में तेजी एवं देश में आर्थिक गतिविधियों में आई तेजी के कारण नवम्बर 2021 माह में आयात में बहुत अधिक वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। एक आकलन के अनुसार, केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों द्वारा जिस रफ्तार से पूंजीगत खर्चे किए जा रहे हैं, यह इस वर्ष के अंत तक कोरोना महामारी के पूर्व (वित्तीय वर्ष 2020) के स्तर को पार करते हुए 12 प्रतिशत आगे निकल जाएंगे। यह देश के लिए एक अच्छी खबर है।

आज का राशिफल

मेष

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ

पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। मेहनत अधिक होगी। थकान रहेगी। व्यर्थ खींचतान में नुकसान संभव है। आर्थिक मामलों में विश्वास, भरोसे में नहीं रहें। दिन प्रतिकूल रहेगा।

मिथुन

विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। सतर्कता एवं सावधानीपूर्वक व्यापारिक योजनाओं को अंजाम दें। विद्यार्थी शिक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करेंगे। यात्रा न करें। पुराना रोग उभर सकता है।

कर्क

विवेक से कार्य करें। दूसरों पर विश्वास न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापारिक प्रतिष्ठा, लेन-देन अन्य कानूनी परेशानी संभव है। परिवार में किसी से विवाद होने की आशंका है। अनिश्चितता का वातावरण रहेगा।

सिंह

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। बड़े एवं प्रतिष्ठित लोगों से संबंधों का लाभ मिल सकेगा। जोखिम, जवाबदारी के कामों में सावधानी आवश्यक है।

कन्या

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। उत्तेजित न हों। लाभ होगा। रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी। महत्व के मामले सुलझेंगे। घर में मूल्यवान वस्तुओं को संभालना होगा।

तुला

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। आशानुरूप आमदनी होगी। व्यापार-व्यवसाय में अनुभव, निवेश में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

बेरोजगारी दूर होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी, रोजगार में उन्नति, सहयोग संभव है। आवश्यक मार्गदर्शन मिलेगा।

धनु

परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अपरिचित व्यक्तियों के सहयोग से आत्मविश्वास का संचार होगा। खर्चों में कमी का प्रयास करना होगा।

मकर

रुका हुआ धन प्राप्त होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। थकान रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में पद, स्थिति से लाभान्वित हो पाएँगे। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ

कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। कार्य में प्रगति, उत्साह रहेगा। दूसरों की दखलंदाजी पसंद नहीं आएगी।

मीन

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। उत्साहपूर्वक व्यावसायिक योजनाओं को पूरा करेंगे। अचानक धन की प्राप्ति संभव है। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

हीरक जयन्ती समारोह को लेकर जनसपंर्क जारी

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : क्षत्रीय युवक संघ के हीरक जयन्ती समारोह 22 दिसम्बर भवानी निकेतन जयपुर पहुँचने के लिए सम्पर्क यात्रा खाटू कलां, ज्यानी, बरनेल, हिरासनी, भिनियाद, नुरियास, छाजोली, कसारी पहुंची, जिनमें समाज बंधुओं में अपार उत्साह देखने को मिला। सभी गांवों से अधिकाधिक संख्या में बुजुर्ग, युवा, बालक व महिला शक्ति के समारोह में पहुंचने का आव्हान किया गया। सम्पर्क यात्रा टीम में गिरधारी सिंह बड़ी खाटू ,जीवन सिंह छाजोली, श्याम सिंह छाजोली, मगन सिंह बरनेल, श्याम सिंह छापड़ा, जनकपाल सिंह ऊंचाईडा, भोमराज सिंह छापड़ा उपस्थित रहे और ज्यादा से ज्यादा सँख्या में पधारने का आह्वान किया ।

डेगाना में बिगड़ी सफाई व्यवस्था पर बिफरे लोग

सफाई ठेकेदार की लापरवाही लोगो पर पड़ रही है भारी

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज) : डेगाना शहर में नगरपालिका की ओर से करवाई जाने वाली सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है, जिसे लेकर बुधवार को शहर के निर्वाचित पार्षदों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने पालिका कार्यालय में आकर गहरा रोष प्रकट किया। पार्षद शिवलाल गोदारा, रामलाल कुलरिया, रफीक मो., द्वारका प्रसाद हैडा सहित प्रेमप्रकाश टेलर, लालाराम खिलेरी, शिवलाल फोजी, मंशीराम खिलेरी सहित अनेक लोगो ने शहर की बिगड़ी सफाई व्यवस्था ओर गली मौहल्लों मे जगह-जगह लगे कचरे के ढेर ओर समय पर नालियों की सफाई नहीं होने का आरोप लगाया। नागरिकों ने बताया की सफाई कर्मचारी सफाई के नाम पर केवल औपचारिकता करते है ओर कचरे को ज्यों का त्यों ही छोड़कर चले जाते है। इसी प्रकार से शहर में कई जगहों पर मृत जानवर पड़े रहते है, लेकिन सूचना देने के बावजूद भी मृत जानवरों को नहीं उठाया जाता है। लोगो ने एक स्वर में बताया की गंदगी के कारण पैदा होने वाले मच्छरों की भारी तादाद हो रही है। इसी कारण शहर मे मलेरिया, डेंगू, बुखार जैसी बीमारियां फेल रही है। इसके अलावा लालाराम खिलेरी ने बताया की गौरेडी करणा ग्राम के पास बना अस्थाई कचरा डिपो से उठ रही गंदगी ने गौरेडी निवासियों का जीना दुभर कर दिया है। इसलिए कचरे ओर गंदगी को रि-साईकिल करने का प्लांट लगाकर लोगो को राहत दिलवानें की मांग की।

फसल बीमा योजना रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हुक्माराम ताडा

खींवसर(नागौर डेली न्यूज) : खींवसर उपखंड मुख्यालय पर बुधवार को फसल बीमा योजना रथ को खींवसर एसडीएम जीतू कुलहरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सहायक कृषि अधिकारी ओम प्रकाश गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रथ को उपखंड अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर कृषि पर्यवेक्षक सीताराम ओला ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक फसल बीमा योजना के प्रचार प्रसार करने के लिए क्षेत्र में रवाना किया गया। सहायक कृषि अधिकारी ओम प्रकाश ने फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दीऔर बताया की जो किसान फसल बीमा करवाना चाहते हैं वे 31दिसंबर तक करवा सकते हैं। इस मौके पर तहसीलदार रूघाराम सेन, नायब तहसीलदार गंगा विशन गुजराती, प्रधान सीमा बिडियासर सहित मौजूद रहे।

छापर तालाब पर पौध संरक्षण कार्य परवान पर

सैकड़ों पौधे लगाकर दिया बगिया का रूप

फखरूद्दीन खोखर

मूंडवा(नागौर डेली न्यूज) : पंचायत समिति मूंडवा के गांव गोलियासनी में ग्रामीण जन सहयोग से गांव के छापर तालाब परिसर में इन दिनों पौध संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। पूर्व उप सरपंच राधेश्याम शर्मा और शिक्षक अर्जुनराम छरंग ने बताया गांव के पेयजल के मुख्य स्रोत छापर तालाब परिसर में देसी और अंग्रेजी बबूल के सिवा कोई भी पेड़ पौधा यहां पर नहीं था, ऐसे में तालाब में आवारा व जंगली जानवरों के छाया के लिए कोई भी पौधा नहीं था। ऐसे में जानवरों को छाया के लिए भटकना पड़ता था, इसी बात को मदैनजर रखते हुए ग्रामीण जन सहयोग से पिछले 2 वर्ष से इस तालाब परिसर में पौधरोपण का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण प्रेमियों की मेहनत से तालाब परिसर में 130 पौधे अब पेड़ बन चुके हैं और तालाब में पानी भरने आ रहे ग्रामीण और प्यास बुझाने आ रहे पशु पक्षी इन बड़े पेड़ों के नीचे छाया में विश्राम करते नजर आते हैं और उन्हें सुकुन मिलता नजर आ रहा है। ग्रामीण मूलचंद शर्मा और चुन्नीलाल ने बताया पेड़ पौधों के अलावा गांव के पेयजल के इस मुख्य तालाब में स्थित छतरी के पास और गोलियासनी से रूण जाने वाली सड़क के पास इसी तालाब की पाल पर दो बगिया भी लगाई गई है, जिसमें कई तरह के खुशबूदार और फूलदार पौधे लगाए गए हैं। इनको देखकर निकलने वाले राहगीर भी सेल्फी लेने से नहीं चूकते हैं। ग्रामीण सुखदेव, दिनेश, रामनिवास, नेनाराम सहित सैकड़ों ग्रामीण बारी-बारी से पेड़-पौधों को पानी देने और खरपतवार निकालने में भागीदारी निभा रहे हैं।

नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर में 125 रोगियों की हुई जांच

ऑपरेशन के लिये 70 रोगी चयनित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट एवं लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में बुधवार को रामानंद चन्द्रकुमार वर्मा के सौजन्य से जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर एवं शंकरा नेत्र अस्पताल जयपुर के सहयोग से माहेश्वरी भवन में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया।

ट्रस्ट अध्यक्ष लॉयन राम काबरा ने बताया शिविर में शंकरा अस्पताल जयपुर के नेत्र रोग चिकित्सक टीम ने 125 रोगियों की जांच कर 70 को ऑपरेशन के लिये चयन किया, जिनमें से 55 रोगियों को बस द्वारा शंकरा अस्पताल जयपुर भेजा गया, जिनके गुरुवार को ऑपरेशन किये जायेंगे। शेष रोगियों को शुक्रवार को जयपुर भेजा जाएगा। क्लब के संभागीय अध्यक्ष लॉयन मुरलीमनोहर सोलंकी ने शिविर का अवलोकन कर कहा दृष्टि दोष से पीड़ितों को नेत्र ज्योति प्रदान करवाना लॉयन्स क्लब का मुख्य सेवा कार्य है इसी बात को चरितार्थ करते हुए लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट प्रत्येक माह नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित कर पीड़ित मानव को लाभ पहुंचा रहा है जो सराहनीय है। क्लब सचिव लॉयन द्वारकाप्रसाद कुमावत ने बताया कि शिविर की व्यवस्था में संरक्षक लॉयन पवन जैन, लॉयन रचित नंदवाना, मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष मोहम्मद शकील, गिरधारी प्रजापत, पार्षद बाबूलाल कुमावत, हनुमान माली, अनवर टाक, सलामुद्दीन मनियार, अजितसिंह ने सहयोग किया।

प्रशासन गांवों के संग शिविर आयोजित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : बुधवार को ग्राम पंचायत कुकनवाली में प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021 के शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को 165 आवासीय मकानों के पट्टे, 115 नवीन जॉब कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पेंशन के पीपीईओ आदि सौंपे गये। शिविर प्रभारी बाबुलाल जाट उपखण्ड अधिकारी कुचामनसिटी व बिजली, पानी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा विभाग, पंचायती राज विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग व अन्य अभियान से संबंधित विभागों के समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी शिविर में उपस्थित रहे है। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 92 नामान्तरकरण दर्ज किये गये, जमाबंदी के 312 खातों में नाम शुद्ध किया गया, 16 रास्तों के प्रकरणों का निस्तारण किया गये।

रोड़वेज विभाग द्वारा 12 विशेष योग्यजन व 44 वरिष्ठ नागरिकों यात्रा पास जारी किये गये। चिकित्सा विभाग द्वारा शिविर में 206 लोगों को कोविड-19 की प्रथम व द्वितीय खुराक दी गयी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विभिन प्रकार की सामाजिक सुरक्षा के तहत 11 पात्र लोगों को पेंशन जारी की गयी। शिविर के दौरान 38 जन्म प्रमाण पत्र जारी किये गये। शिविर में महेन्द्र चौधरी, उप मुख्य सचेतक राजस्थान सरकार, शैलेन्द्र सिंह विकास अधिकारी पंचायत समिति कुचामन सिटी, कुलदीप तहसीलदार कुचामनसिटी उपस्थित रहे।

राठौड़ जिला शूटिंगबॉल संघ में कन्वीनर नियुक्त

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज) : राजस्थान शूटिंगबॉल संघ महासचिव ओपी माचरा ने डेगाना बामणा निवासी के के कॉलेज आबूरोड़ के निदेशक शैलेंद्र सिंह राठौड़ को कन्वीनर नियुक्त किया है। राठौड़ के निर्देश दिए गए हैं कि वे जनवरी माह के आखिरी सप्ताह तक सिरोही जिले में शूटिंगबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए सिरोही जिला शूटिंगबॉल संघ के चुनाव कराकर राजस्थान शूटिंगबॉल संघ को अवगत कराए। शैलेन्द्र सिंह राठौड़ को शूटिंगबॉल संघ का कन्वीनर नियुक्त होने पर आबूरोड़ पंचायत समिति प्रधान लीलाराम गरासिया, उपप्रधान ललितसिंह सांखला, नगरपालिका उपाध्यक्ष रवि शर्मा, पार्षद दिनेश मेघवाल,पुस्तकालय संघ राजस्थान प्रदेश सचिव रामकिशोर प्रजापत, सिरोही जिला सॉफ्टबॉल संघ सचिव दीपेश अग्रवाल, सिरोही पूर्व प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष रामजीवन गोदारा, सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक नेहा जैन, पहल लाइब्रेरी निदेशक हिमांशु मिश्रा, लक्ष्मण सिंह कोली, प्रवीणसिंह परावा, रश्मीसिंह, ओमराज सिंह, पंकज कुमार सहित ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

आमजन सरकारी योजनाओं का लें पूरा लाभ : मिर्धा

नगरपालिका डेगाना मे पट्टा वितरण समारोह मे बोले मिर्धा

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज) : प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत राज्य की गहलोत सरकार ने अनेकों योजनाओं के माध्यम से आम जन को लाभान्वित कर राहत पहुंचाने का काम कर रही है, जिसका सभी शहरी लोग ज्यादा से ज्यादा से लाभ उठावें। डेगाना नगरपालिका मे बुधवार को आयोजित पट्टा वितरण समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेंसी नेता रिछपाल मिर्धा ने नागरिकों को अपने संबोधन में कहा कि इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस की गहलोत सरकार द्वारा गांवों ओर शहरों मे शिविरों का आयोजन कर घर बैठे लोगो की समस्याओं को सुनना ओर सालों से अपने मकानों के पट्टों की आस लगाये बैठे लोगो को पालिका तथा ग्राम पंचायतों के द्वारा आसानी से सरलता के साथ पट्टे बनाकर दिये जा रहे है। कांग्रेस नेता मिर्धा ने कहा की पट्टे बनाने के लिए सरकार ने विशेष छूट का प्रावधान किया है, जिससे लोगो को आसानी से ओर कम से कम लागत ओर बिना झंझट के पट्टे मिल सके।

समारोह में रिछपाल मिर्धा ने 25 लोगो को आवासीय पट्टों का वितरण किया। इस अवसर पर पालिका के चैयरमेन मदनलाल अटवाल ने जानकारी देते हुये बताया की डेगाना नगरपालिका के द्वारा पिछले पांच से सात सालों की लंम्बित फाईलों का भी निस्तारण कर लोगो को स्टेट ग्रान्ट के तहत केवल मात्र एक रूपये मे मकानों का पट्टा दिया है।

अटवाल ने बताया की डेगाना पालिका की ओर से अब तक 180 पट्टे जारी किये जा चके है। अधिशाषी अधिकारी प्रकाश डूडी ने पट्टा बनाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी नागरिकों को दी। इस अवसर पर डेगाना के पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, चैयरमेन मदनलाल अटवाल, उपाध्यक्ष हारून रसीद, डेगाना वृताधीकारी नंदलाल सेनी, सीआई सुभाष पूनिया, ईओ प्रकाश डूडी, शहर कांग्रेंस अध्यक्ष गिरधारी मुण्डेल, पार्षद प्रकाश कुकणा, रफीक खान, प्रेम प्रकाश टेलर, नंद सिंह मेड़तिया, पूर्व मंडल सदस्य रतनलाल बुगालिया, भामाशाह द्वारका प्रसाद हैडा, आरआई जितेन्द्र चौधरी, लिपिक मनमोहन, कांग्रेस के पार्षद एंव शहर के नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 को

प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

अबू बकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मेड़ता के निर्देशानुसार 11 दिसंबर 2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

तालुका विधिक सेवा समिति लाडनूं की अध्यक्षा एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. सरिता स्वामी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में रेणुका शर्मा सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट लाडनूं, बार संघ लाडनू के अध्यक्ष शेर सिंह जोधा एवं अन्य समस्त अधिवक्ता गण, न्यायालय स्टॉफ, अनिल कुमार एसडीएम लाडनूं, कुलदीप भाटी तहसीलदार लाडनूं, थाना अधिकारी राजेंद्र कमांडो, थानाधिकारी जसवंतगढ़ मुकुट बिहारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मगराज डूडी, नायब तहसीलदार उमाराम एवं ओमप्रकाश मेव अन्य प्रशासनिक विभागों के अधिकारीगण एवं केसरदेवी उमा विद्यालय की बालिकाएं शामिल रही।

केसर देवी सेठी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लाडनू के प्रधानाचार्य ओम शंकर गर्वा स्टॉफ पूनम चौधरी संजीव रोलन प्रेमलता विजय सिंह एवं विद्यालय की लगभग 200 छात्राओं सहित रैली को उपखंड कार्यालय लाडनू से रवाना कर रेलवे स्टेशन लाडनू से होते हुए स्टेशन रोड नगरपालिका होते हुए बस स्टेशन पहुंचकर विद्यालय में बालिकाओं को जानकारी दी गई।

गौकाष्ठ से दाह संस्कार कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

श्याम सुंदर प्रजापति

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : ठठाना मीठडी कस्बे गोकाष्ठ से दाह संस्कार करने की परम्परा भी दिनों-दिन बढ़ रही है। कस्बे सहित नागौर जिले में गौकाष्ठ दाह संस्कार के प्रेरणास्त्रोत मीठड़ी निवासी विष्णु सिंघल को माना जाता है। सिंघल इन दिनों जयपुर में ही रहकर गौकाष्ठ बनाने की मशीन बनाकर गौसेवा के प्रति अपना समर्थन किया तथा स्थानीय गौशाला में गौकाष्ठ बनाने की मशीन भेंट की, जो आज गौशाला के लिए आमदनी का श्रोत बनकर उभर रही है। श्री संत गोपाल गोशाला मीठड़ी में देशी गाय के गोबर से बने गौकाष्ठ (गोबर की लकड़ी) से आज श्मशान भूमी में दाह संस्कार किया किया। गौशाला अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल ने बताया कि यह गौकाष्ठ से किया गया 15वां दाह संस्कार है। मिश्रीलाल, बाबूलाल, गजानंद अग्रवाल की माता काशी देवी का आज निधन हो गया, जिसका गौशाला अध्यक्ष गंगवाल की प्रेरणा से गौकाष्ठ से अंतिम संस्कार किया गया। गंगवाल ने बताया कि इस प्रकिया को अपनाने से वन और पेड़ बचाने के साथ गौसेवा का अक्षय पुण्य दिवंगत आत्मा को मिलता है व पूर्ण रूप से सात्विक अंतिम संस्कार होने से आत्मा को मोक्ष ओर सद्गति मिलती है। उल्लेखनीय है कि गौसेवा परिवार समिति जयपुर द्वारा पिछले कुछ समय वन पर्यावरण ओर गौ रक्षा हेतु गौकाष्ठ से अन्तिम संस्कार का अभियान चलाया जा रहा है जिसमे दो पेड़ों को जीवनदान देकर पर्यावरण रक्षा ओर उससे प्राप्त सम्पूर्ण सेवा राशि द्वारा गोसेवा की जा रही है। समिति का ऊदेश्य है सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रत्येक गोशाला में गौकाष्ठ बने और इससे अन्तिम संस्कार हो। इस दौरान गौशाला अध्यक्ष प्रकाश चंद गंगवाल, विजयनाराण, द्वारिका प्रसाद शर्मा, निर्मल जैन, नैपाल जैन, जगदीश अग्रवाल, रामकिशोर अग्रवाल, नरेन्द्र गंगवाल आदि ग्रामीण मौजूद थे।

कुचामन में दौलत खान तो लाडनू में शिव कुमार शर्मा करेंगे एडीजे कोर्ट में सरकार की पैरोकारी

सद्दाम रंगरेज/अबू बकर बलखी

कुचामनसिटी/लाडनूँ (नागौर डेली न्यूज) : लाडनूँ व कुचामनसिटी एडीजे कोर्ट में सरकार की पैरोकारी करने के लिए राजस्थान सरकार ने अपने अधिवक्ता नियुक्त किए हैं। कुचामनसिटी एडीजे कोर्ट में कुचामनसिटी के वरिष्ठ एडवोकेट दौलत खान को तो वहीं लाडनू के लिए डीडवाना के अधिवक्ता शिव कुमार शर्मा की नियुक्ति की गई है। शर्मा मूलत: लाडनूँ तहसील के लेड़ी गांव निवासी है तथा वर्तमान बारसंघ डीडवाना के सदस्य है। खान व शर्मा को अपर लोक अभियोजक एवं राजकीय अभिभाषक नियुक्त करने पर शहर के प्रबुद्धजन ने मुंह मीठा करवाकर उनका सम्मान किया।

राजस्थान सरकार विधि एवं विधिक कार्य विभाग के विशिष्ट शासन सचिव वादकरण हिमांकनी गौड़ ने दंड प्रक्रिया की धारा 24(3) व लॉ एंड लीगल अफेयर्स डिपार्टमेंट मैन्युअल 1999 नियम अनुसार आदेश जारी कर कुचामनसिटी व लाडनूँ एडीजे न्यायालय में सरकार की और से पैरवी करने हेतु एपीपी को एक वर्ष या अग्रिम आदेशों तक नियुक्त किया गया है। अभिभाषक संघ लाडनूँ अध्यक्ष शेरसिंह जोधा ने बताया कि लाडनूँ बार संघ से एडवोकेट इंद्रचंद घोटिया, भोमराज नायक, सरफराज खान, चेतनसिंह शेखावत, भगवती प्रसाद शर्मा, छोगाराम बुरड़क, बजरंगलाल जाट, मन्नालाल टाक सहित 15 वकीलों ने एपीपी पद के लिए आवेदन फॉर्म भरा था, जिसमें लाडनूँ को स्थान नहीं मिल पाया वहीं वर्तमान डीडवाना निवासी एडवोकेट शिव प्रकाश को लाडनूँ एडीजे कोर्ट में एपीपी पद पर नियुक्ति दी गई है।

सिंह ने की पूर्व सीएम राजे से मुलाकात

श्याम सुंदर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी कस्बे के पूर्व सरपंच व बजरंग सेना के प्रदेश संगठन महामंत्री लोकेन्द्र सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सिविल लाइन्स पर स्थित सरकारी बंगले पर मुलाकात की। वहीं राजे को शिष्टाचार वश उनका फोटो भेंट किया। मुलाकात के दौरान नागौर जिले की राजनैतिक विषयों पर भी चर्चा की गई। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सिंह को परबतसर व नावां विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया।

शहीद शिवजीराम रेवाड़ की प्रतिमा का हुआ अनावरण

मकराना(नागौर डेली न्यूज)।

मकराना विधानसभा के ग्राम चांडी में बुधवार को अमर शहीद शिवजीराम रेवाड़ का प्रतिमा का अनावरण समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया समारोह में मुख्य अतिथि थे। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए पूनिया ने कहा कि देश के युवाओं को शिवजीराम की शहादत से प्रेरणा लेनी चाहिए। नागौर जिले की धरती ने अपने बहुत से सपूत देश की रक्षा के लिए खोए हैं। समारोह में मकराना विधायक रूपाराम मुरावतिया, सैनिक कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी, कर्नल नन्दकिशोर ढाका, राजाराम प्रजापति आदि मौजूद रहे।

नागौर जिले की धरती पर पैदा होते है जज्बे वाले नौजवान : पूनिया

कर्नल डिफेंस एकेडमी में हुआ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का भव्य स्वागत

लोक अदालत की जागरूकता के लिए रैली निकाली

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) : परबतसर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मेड़ता के तत्वावधान में बुधवार को सुबह 9:30 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परबतसर में लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रैली का आयोजन रखा गया, जिसमें तसनीम खान, ए.डी.जे. सं. 02 परबतसर व डॉ. अंजुम खान ए.सी.जे.एम. परबतसर उपस्थित रहे। तसनीम खान, ए.डी.जे. ने लोक अदालत के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि छोटे मोटे विवाद इतना बड़ा रूप ले लेते हैं कि विवाद कई पीढ़ीयों तक चलता रहता हैं ऐसे विवादों को लोक अदालत के माध्यम से समझाइश कर मौके पर ही विवाद को सुलझाया जाता हैं, जिसमें अनावश्यक समय व धन की बर्बादी को रोका जा सकता हैं। लोक अदालत का फैसला अंतिम होता हैं, जिसकी अपील भी नहीं होती हैं तथा कोर्ट फीस पक्षकारों को वापस लौटाई जाती हैं तथा डॉ. अंजुम खान ने भी लोक अदालत के बारे में बताया कि कानूनी प्रक्रिया से मुकदमें के निस्तारण में बहुत समय लगता हैं जबकि लोक अदालत के माध्यम से एक ही दिन में प्रकरण का निस्तारण हो जाता हैं। उगमाराम बड़ारड़ा व के.के. पलोड़ ने भी लोक अदालत के महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी दी तथा जागरूकता रैली को तसनीम खान, ए.डी.जे. सं. 02 परबतसर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

8 से 14 दिसम्बर तक होगा गीता जयन्ती सप्ताह समारोह

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : कुचामन पुस्तकालय के तत्वावधान में गीता जयन्ती सप्ताह समारोह का आयोजन 8 से 14 दिसम्बर तक किया जा रहा है। इस दौरान महाविद्यालय स्तर के छात्र-छात्राओं की दो प्रतियोगिता (पत्र वाचन एवं भाषण प्रतियोगिता) उनके महाविद्यालय में प्रतिभागी चयन के रूप में की जाएगी, जिसमें प्रथम पांच प्रतिभागियों को 14 दिसंबर को आयोज्य मुख्य कार्यक्रम में प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा। नटवरलाल बक्ता से मिली जानकारी के अनुसार इन दोनों प्रतियोगिताओं के प्रथम विजेता को 500-500, द्वितीय स्थान पर आने वाले दो-दो प्रतिभागियों को 300-300 एवं तृतीय स्थान पर आने वाले 3 -3 प्रतियोगियों को 200-200 रूपए नकद एवं गीता साहित्य के साथ अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। स्वर्गीय राधेश्याम सारड़ा की स्मृति में आयोजित इस सप्ताह के प्रथम 2 दिन प्रतियोगियों का पंजीयन एवं पत्र वाचन कार्यक्रम उनके महाविद्यालय में होगा तथा 10 दिसंबर को गीता पूजन एवं साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन सांय 4 बजे पुस्तकालय परिसर में होगा। राधेश्याम सारड़ा की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में 12 दिसंबर रविवार को प्रात: 11:15 बजे पुस्तकालय परिसर में सस्वर गीता पाठ का आयोजन महंत महाराज रघुनाथ जी के मंदिर के सानिध्य में होगा।

आलाकमान को खुश करने के लिए जनसभा में नरेगा मजदूरों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व दिहाड़ी मजदूरों की भीड़ बुलाती है कांग्रेस : पूनिया

कुचामनसिटी(सद्दाम रंगरेज) :

'देश का प्रमुख नारा है जय जवान जय किसान। इस देश को मजबूत बनाने का काम जहां गांव-ढाणी में बैठा किसान करता है वहीं देश की रक्षा के लिए बार्डर पर सैना के जवान हर समय तैनात रहते हैं। यहीं कारण है कि दुनिया के कई देश बिखर गए परन्तु भारत देश आज भी संगठित है।' यह बात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बुधवार को कुचामनसिटी के कर्नल डिफेंस एकेडमी परिसर में सेना की तैयारी कर रहे प्रशिक्षुओं व जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कही। समीपस्थ तोषिणा कस्बे के चांडी गांव में शहीद शिवजीराम रेवाड़ की प्रतिमा का अनावरण करने जाते समय पूनिया काफी देर तक कर्नल डिफेंस एकेडमी में रूके। पूनिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय सेना ने देश को बांधकर रखा है। आज 29 वर्ष बाद चांडी ग्राम में शहीद की मूर्ति का अनावरण होगा। उन्होंने कहा कि जज्बे वाले नौजवान नागौर की धरती पर पैदा होते हैं। यहां पूनिया व उनके साथ आए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, मकराना विधायक रूपाराम मुरावतिया, भाजपा जिलाध्यक्ष गजेन्द्रसिंह ओडिंट, पूर्व विधायक हरीशचन्द्र कुमावत, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. रजनी गावड़िया आदि का कर्नल डिफेंस एकेडमी के निदेशक नन्द किशोर ढाका ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद पूनिया ने कर्नल डिफेंस एकेडमी में हाईटेक कॉल सेंटर का लोकार्पण किया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर जमकर बरसे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : मकराना विधानसभा के ग्राम चांडी में शहीद की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शिरकत करने जाते समय कुचामन स्थित कर्नल डिफेंस एकेडमी पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया मीडिया से मुखातिब हुए। राजस्थान में होने जा रही कांग्रेस की रैली के संबंध में पूछे प्रश्न के जवाब में पूनिया ने कहा कि 70 वर्षों में भ्रष्टाचार, अराजकता, आतंकवाद, महंगाई कांग्रेस के शासन की ही देन है। प्रदेश में कर्जा माफी, बेरोजगारी व अपराध तीन बड़े मसले है, जिससे जनता त्रस्त है। बिजली सबसे अधिक राजस्थान में महंगी है। पेटोल व डीजल पर देश में सबसे जयादा वेट राजस्थान में लगता है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी जनसभा में नरेगा मजदूरों, आंगनबाड़ी महिलाओं व दिहाड़ी मजदूरों को लाकर भीड़ दिखाती है। आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश में इस प्रकार के जुगाड़ किस्म के आयोजन करवाये जाते हैं, जिससे राजस्थान में कोई भी सियासी संदेश नहीं जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री के बयान को बताया हास्यापद

उन्होंने कहा कि कोरोना में भी सरकार अलर्ट नहीं दिखी। कोरोना का कुप्रंधन सबने देखा। बेड की दलाली हुई, रेमडीसिविर नकली बिके। पूनिया ने सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री अपने बयान में ओमीक्रान को कमजोर बता रहे हैं। कह रहे हैं राजस्थान में इसका कोई खास असर नहीं होगा। क्या कांग्रेस के स्वास्थ्य मंत्री भविष्यवक्ता है या बड़े वैज्ञानिक ? जो खतरे को सीरियस नहीं ले रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना में भाजपा पार्टी ने सामाजिक सरोकारों से जुड़कर 1 करोड़ लोगो के लिए राशन-भोजन की व्यवस्था की। 65 हजार लोग हेल्प लाइन से जुड़े। 685 कार्यकर्ता कोरोना की महामारी में काम करते करते शहीद हो गए।

सीएम कौन बनेगा ये संसदीय बोर्ड तय करेगा- सीएम का चेहरा बनने के सवाल के जवाब में पूनिया ने कहा कि वे अध्यक्ष व कार्यकर्ता के नाते काम करते हैं। कौन सीएम का चेहरा होगा ये पार्टी का संसदीय बोर्ड तय करता है। सभी कार्यकर्ता मिलकर 2023 में बीजेपी की प्रचण्ड सरकार बनाएंगे। हमारे में कोई मनभेद व मतभेद नहीं है।

'प्रशासन गांवों के संग' नहीं 'प्रशासन दामों के संग' अभियान है- इसी प्रकार पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे की धार्मिक यात्रा के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पूनिया ने कहा कि इस पर वे टिप्पणी नहीं करेंगे। उनकी धार्मिक यात्रा को राजनैतिक रूप से नहीं आंका जाना चाहिए। नेता का व्यक्ति जीवन होता है, इसलिए वे कहीं पर भी जा सकते हैं। प्रशासन गांवों के संग अभियान पर पूछे एक प्रश्न के जवाब में पूनिया ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह प्रशासन गांवों के संग नहीं प्रशासन दामों के संग अभियान है।

नावां में भी हुआ प्रदेशाअध्यक्ष पूनिया का भव्य स्वागत

- कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा 2023 में दो-तिहाई बहुमत के साथ खिलेगा कमल
- कांग्रेस पर किया जमकर प्रहार

हितेश रारा

नावांसिटी/मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के जयपुर से मां भारती के लाल अमर शहीद शिवजीराम रेवाड़ की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में मकराना तहसील के ग्राम चांडी जाते समय नावां चौराहे पर रूके। यहां नागौर जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, नागौर भाजपा जिलाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ऑडिट, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गिरिराज पारीक, नावां पूर्व विधायक विजय सिंह चौधरी, नावां शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश योगी, मारोठ मंडल अध्यक्ष एवं नावां प्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट राजेश गुर्जर के नेतृत्व में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का कार्यकर्ताओं द्वारा पलक पावडे बिछाते हुए गर्मजोशी के साथ माल्यार्पण कर साफा बंधवाकर स्वागत सत्कार किया गया।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पूनिया ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि 1990 के बाद सिर्फ एक बार कांग्रेस की प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। पिछले दो बार अशोक गहलोत की जब-जब सरकार आई है उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। राजस्थान के पिछड़ेपन का मूल कारण यही है जब भी ऐसा अवसर आता है वह जुगाड़ की सरकार बनाते हैं और खास तौर पर बीएसपी उसमें कारक होती है। बीएसपी को अनेतिक तरीके से मर्ज करते हैं, निर्दलीयों का समर्थन लेते हैं फिर वही लोग सरकार को बारगेन करते हैं और इसके कारण जगह-जगह कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है, गवर्नेंस पर इसका असर पड़ा है। राजस्थान की सरकार की अंतर्कलह से राजस्थान की आमजनता को परेशानी हुई है। किसानों की कर्ज़ माफी की मांग जनता ने नहीं की थी, उल्टा इन्होंने चलाकर कहा था कि साठ लाख किसानों का एक लाख बीस हजार करोड़ रु का कर्ज माफ करेंगे। इनकी कर्ज माफी का किसान आज भी इंतजार कर रहे हैं। देश की सबसे ज्यादा 27 प्रतिशत बेरोजगारी दर राजस्थान में है। साढ़े छह लाख मुकदमे राजस्थान में पहली बार दर्ज हुए हैं। राजस्थान को शांतिप्रिय राज्य माना जाता था किंतु यह सरकार के कार्यों की बानगी है। राजस्थान में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यह कहता है कि देश में सबसे ज्यादा बलात्कार 5310 राजस्थान में हुए है।

मारोठ भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने स्वागत में बिछाए पलक-पावड़े

इसी प्रकार नावां बाईपास पर मारोठ भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं प्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट राजेश गुर्जर के नेतृत्व में प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का पलक पावडे बिछाते हुए माल्यार्पण कर साफा बंधवा कर गर्मजोशी के साथ स्वागत सत्कार किया गया। स्वागत के इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि चुन्नी लाल माली, मंडल महामंत्री निर्मल योगी, उपाध्यक्ष सुल्तान सिंह, आईटी प्रभारी नारायण वैष्णव, जनार्दन शर्मा, बाबूलाल चोटिया, धीरज पाराशर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश में पेट्रोल-डीजल पर सबसे अधिक वेट राजस्थान में

हिन्दुस्तान में वैट के कारण महंगा पेट्रोल डीजल सिर्फ राजस्थान में हैं। 2023 में भाजपा के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर राजस्थान में दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे। स्वागत के इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि चुन्नीलाल माली, आईटी प्रभारी नारायण वेष्णव भूणी, मंडल उपाध्यक्ष सुल्तान सिंह भूणी, मंडल महामंत्री निर्मल योगी, नगर पालिका अध्यक्ष शायरी देवी गांधी, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष जगदीश छापोला, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रकाश गांधी, नगर पालिका उपाध्यक्ष आनंदी लाल कुमावत, पार्षद महेश बोहरा, पार्षद एडवोकेट गोपाल सिंह, पार्षद मोहन नागा, प्रह्लाद कुमावत, आनंद कुमावत, सत्यनारायण लड्ढा, अशोक अटल, कुमावत समाज अध्यक्ष मदनलाल पिपलोदा, राजेश गोयल, मंगल शर्मा, कुलदीप शर्मा, ललित मटोलिया, बाबूलाल चोटिया सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

इसी प्रकार भिवड़ानाडा बालाजी मंदिर के पास भी पूनिया का स्वागत किया गया। एडवोकेट मोहन लाल कुमावत, राधेश्याम पारीक, महेश गुरिया, प्रभु ठेकेदार, नटवर गौड, अशोक टेलर, गणेश कुमावत, गोपाल सोनी, अल्पना अग्रवाल, सोहन राजौरा, पीरु घोड़ेला, नरसी रेबारी, भैरू राम मारवाल, माला राम गुर्जर, पूसाराम माली, सुमन कुमावत, आसुराम मोरवाल, जयंत राजपुरोहित आदि भाजपा कार्यकर्ताओ ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया भव्य स्वागत किया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com